We are not at all under pressure.

We are taken all care of domestic-consumers and producers also and we are trying to exploit the international market.

Development of New Tourist spots

*688. DR. BIJOY MONDAL: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether only the existing tourist centres are selected for development or efforts are made to find out new ones also;

(b) the new centres taken up and developed in the years 1974 to June, 1977;

(c) whether there is any sea side tourist resort worthy of catching the attention of tourists, in the State of West Bengal; and

(d) if not, whether there is any possibility of selecting a place in that State in the near future?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जहां कहीं आवश्यक होता है कि वर्तमान पर्यटक केन्द्रों पर सुविधाओं का विकास कार्य जारी रखने के अलावा, पर्यटन विभाग का नये पर्यटक केन्द्रों का विकास करने का भी प्रयत्न रहता है । ऐसा हमारे पर्यटन आकर्षणों को विविधता प्रदान करने तथा यथासम्भव पर्यटक यातायात को देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैला देने की हमारी नीति के अनुसरण में किया जाता है ।

(ख) सभा-पटल पर एक विवरण रखा है ।

(ग) और (घ). पश्चिम बंगाल में बक्काहाली तथा दीघा दो समुद्रतटीय विहार स्थल हैं । परन्तु दीघा देशीय पर्यटकों में अधिक लोकप्रिय है । दीघा में राज्य पर्यटन विभाग द्वारा तथा निजी क्षेत्र में भी आवास स्थान की सुविधाएं प्रदान की गई हैं ।

विवरण

नये केन्द्र नीचे दिय गये हैं जहां जून, 1974 तथा जून, 1977 के बीच सुविधायें प्रदान की गई हैं । कार्य आरम्भ किया गया :—

पर्यटन विभाग केन्द्र	प्रदान की गई सुविधा
1. अमृतसर	युवा होस्टल
2. औरंगाबाद	युवा होस्टल
3. भोपाल	युवा होस्टल
4. डलहौजी	युवा होस्टल
5. दार्जिलिंग	युवा होस्टल
6. गांधी नगर	युवा होस्टल
7. हैदराबाद	युवा होस्टल
8. मद्रास	युवा होस्टल
9. मैसूर	युवा होस्टल
10. नैनीताल	युवा होस्टल
11. पणजी	युवा होस्टल
12. पंचकुला	युवा होस्टल
13. पटनी टाप	युवा होस्टल
14. पुरी	युवा होस्टल
15. पांडिचेरी	युवा होस्टल
16. त्रिवन्द्रम	युवा होस्टल
17. दार्जिलिंग	पर्यटन बंगला
18. धर्मशाला	पर्यटन बंगला
19. जसलमेर	पर्यटन बंगला
20. लुधियाना	पर्यटन बंगला

पर्यटन विभाग/ केन्द्र	प्रदान की गई सुविधा
21. मंत्रालयम	पर्यटक बंगला
22. पोरबन्दर	पर्यटक बंगला
23. सेवाग्राम	यात्री निवास
24. वारंगल	पर्यटन बंगला
25. डाडेली	फारेस्ट लाज
26. भरतपुर	फारेस्ट लाज
27. जल्दापाड़ा	फारेस्ट लाज
28. काजीरंगा	फारेस्ट लाज
29. ससनगिर	फारेस्ट लाज
30. साहिबी नदी	कैफेटेरिया-व-रिटायरिंग रूम

ii. भारत पर्यटन विकास निगम

भारत पर्यटन विकास निगम ने पटना, कलकत्ता विमानक्षेत्र तथा कोवालम में होटलों का निर्माण किया है तथा मैसूर स्थित ललित महल पैलेस होटल को एक होटल के रूप में कार्य करने के लिए परिवर्तित कर दिया है ।

DR. BIJOY MONDAL: There are two sea resorts—one Digha and the other Bokkhali. These two can be developed as sea resorts and big tourist centres. Bokkhali is in the area of the Sunderbans which is full of natural beauty. In view of the above fact, will the Government take necessary steps to develop these two places as important sea-resorts and tourist centres to attract more tourists to come to those places?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : अध्यक्ष महोदय, यह दोनों जो सी बीचेज हैं . . .

(व्यवधान)

SHRI R. MOHANARANGAM: There is a convention that if the question is put in a particular language and if that language is known to the Minister he has to give reply only in that language and not in any other language. If not, we Members from the South hereafter will speak only in our regional languages and thereby we will create complication and confusion on the floor of the House.

MR. SPEAKER: Please sit down.

SHRI R. MOHANARANGAM: They should understand the feelings of the people from the South. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: The language is two-fold, English as well as Hindi. If the Minister thinks that he will not be able to properly answer in English it is open to him to answer in Hindi.

SHRI R. MOHANARANGAM: English is an international language. Let him speak in English. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: It is open to him. Language is a sensitive issue; I don't want any debate. It is open to him to answer in any language. (*Interterruptions*). You are not allowed to enter in to any discussion. Please answer the questions.

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मैं निवेदन करना चाहता हूं कि जिन दो वैस्ट बंगाल के सी बीचेज के बारे में उन्होंने कहा है, वहां डोमैस्टिक टूरिस्ट ज्यादा जा रहे हैं । जिन केन्द्रों में केवल डोमैस्टिक टूरिज्म डैवलप हो रहा है, वहां स्टेट गवर्नमेंट का काम होता है कि उन बीचेज और उस तरह के सेंटर्स को डैवलप करे । जहां फारेन टूरिस्ट आते हैं, वहां सेंटर सैक्टर से उनको मदद करने की कोशिश की जाती है और उन्हें डैवलप किया जाता है । इन दोनों ही स्थानों पर क्योंकि डोमैस्टिक टूरिस्ट ही जाते हैं, इसलिए प्राइमरीली स्टेट गवर्नमेंट का काम है कि उसको डैवलप करे और वह कर रही है । जैसे ही फारेन टूरिस्टों का आगमन वहां होगा, निश्चित रूप से सेंटर सैक्टर से भी उसको विकसित करने की कोशिश की जाएगी ।

MR. SPEAKER: Before I call upon Shri Qureshi, Shri Mondal has got a second supplementary to put.

DR. BIJOY MONDAL: Sir, there are other historical places in West Bengal like Bishnupur and Kamarpur, the birth place of Sri Ramkrishna Paramhamsa Deb and Joyrambati, the birth place of Mother Saradamani Debi.

Will the Government take necessary steps to develop them as tourist places for the people coming from abroad as well as this country?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : इसके बारे में भी मेरा वही निवेदन है कि इसको भी देखना पड़ेगा कि वह इन्टरनेशनल टूरिज्म की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है या डोमैस्टिक टूरिज्म की दृष्टि से । अगर फारेन टूरिज्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण है तो मैं उसको देखूगा कि उस पर क्या कार्यवाही की जा सकती है ।

श्री मोहम्मद शफी कुरेशी : मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं, उनकी मुश्किल यह है कि वह अभी सारे मुल्क में घूम नहीं पाये कि कहां की आवहवा, क्लाइमेट, कल्चर, डांसिंग और म्यूजिक क्या क्या है, सी-शोर से लेकर लद्दाख के पहाड़ों तक । तो क्या वह बतायेंगे कि लद्दाख में टूरिज्म डैवलपमेंट के लिए कोई जामे स्कीम वह बनायेंगे, क्योंकि लद्दाख में हजारों की तादाद में फारेन टूरिस्ट जा रहा है ?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक: मैं निश्चित रूप से कोशिश करूंगा कि लद्दाख की तरफ जाऊं, मैं माननीय सदस्य को भी आमंत्रित करूंगा कि वह मेरे साथ चलें और जो भी योजना होगी, उसको देखकर बनायेंगे ।

डा० मुरली मनोहर जोशी : हमारी तरफ दो ऐसे क्षेत्र हैं जहां अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटक आते हैं । एक तो अलमोड़ा जिले में कौसानी और पिंडारी ग्लेशियर हैं और पिथौरागढ़ में एशिया का सबसे बड़ा ग्लैशियर मिलम एवं नामिग है । क्या केन्द्रीय सरकार इन अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थलों की विकसित करने के लिए कोई योजना बना रही है ? इस लिस्ट में उनका नाम नहीं है ।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : पूरे देश में समुचित रूप से पर्यटन केन्द्रों का विकास हो, इसके बारे में, यहां आने के बाद मैंने सभी राज्यों के पर्यटन मंत्रियों की चिट्ठी लिखी है कि वे अपने राज्यों के पर्यटन केन्द्रों के विकास का मास्टर प्लान बनायें और यह भी देखें कि कौन से केन्द्र ऐसे हैं जो अन्तर्राष्ट्रीय टूरिस्टों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और कौन से ऐसे केन्द्र हैं जो डोमैस्टिक टूरिस्टों की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, इसकी जानकारी हमें दें । साथ ही यह भी बतायें कि स्टेट गवर्नमेंट का फाइनैन्शियल पार्टिसिपेशन हो सकता है या नहीं और क्या मदद वह सेंटर सैक्टर से चाहते हैं, इसकी भी जानकारी दें । यह जानकारी आने के बाद हम कोशिश करेंगे कि जो अविकसित केन्द्र हैं, उनका विकास हो और मैं पर्यटन मंत्रियों की एक बैठक बुलाने की सूचना भी उनको दे रहा हूं ।

SHRI K. MALLANNA: Sir, these tourists centres are one of the main source of earning foreign exchange. May I know from the hon'ble Minister whether a survey has been made to locate the tourist centres? If so, what are those centres?

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जैसा कि मैंने निवेदन किया है, मैंने सब स्टेट मिनिस्टर्ज को एक मास्टर प्लान बनाने के लिए कहा है; क्योंकि इसकी प्राइमरी जिम्मेदारी स्टेट्स की है । पर्यटन के विकास से हम फ़ारेन एक्सचेंज तो कमायेंगे ही, लेकिन फ़ारेन एक्सचेंज

कमाना ही हमारा एकमात्र उद्देश्य नहीं है। हमारा उद्देश्य यह है कि विदेशी पर्यटकों में इस देश की संस्कृति और इतिहास के बारे में जानने की जिज्ञासा हो, और इसलिए हम उन्हें इस देश का भ्रमण करने के लिए आमंत्रित करेंगे। यह भी जरूरी नहीं है कि केवल एफ्लुएंट टूरिस्ट्स ही हमारे देश में आयें। हम चाहते हैं कि कम खर्च करने वाले पर्यटक भी हमारे देश में आयें। हम कोशिश करेंगे कि अनेक देशों में हमारे देश के बारे में जो गलत धारणा है, वह दूर हो।

श्री वीरेन्द्र प्रसाद : बिहार में राजगीर एक प्रसिद्ध पर्यटन केन्द्र है, जहां हर वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं। श्री मोरारजी देसाई उसकी डेवेलपमेंट कमेटी के चेयरमैन रह चुके हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार राजगीर के विकास के लिए कोई योजना बनायेगी।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : जहां तक राजगीर, नालन्दा और बोध गया आदि टूरिस्ट सेंटर्ज का सम्बन्ध है, हम उनके समुचित विकास के लिए मास्टर प्लान बना रहे हैं।

श्री शरद यादव : मध्य प्रदेश में जबलपुर के समीप मेड़ाघाट प्राकृतिक सौन्दर्य से सम्पन्न एक स्थान है, जहां देश-विदेश के हजारों पर्यटक आते हैं। वहां दस मील तक संगमरमर की चट्टानें फैली हुई हैं। उसके विकास के लिए पिछली सरकार ने कुछ नहीं किया, और इस सरकार ने भी अभी तक कोई काम नहीं किया है। मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार उसका एक पर्यटन-केन्द्र के रूप में विकास करने के लिए कोई कार्यवाही क्यों नहीं कर रही है।

श्री पुरुषोत्तम कौशिक : मेड़ाघाट के बारे में मैं निजी तौर पर जानता हूं, क्योंकि मैं उसी प्रदेश से आता हूं। यदि उसका विकास किया जाय, तो वह एक महत्वपूर्ण पर्यटन-केन्द्र बन सकता है। राज्य सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। मैं माननीय सदस्य के सुझाव को ध्यान में रखते हुए पूरी कोशिश करूंगा कि उसको विकसित किया जाये।

Reduction in rate of interest to be paid to depositors of Foreign Banks

+

*689. SHRI SHIV SAMPATI RAM:

SHRI KACHRULAL HEMRAJ JAIN:

Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state whether the foreign banks have announced a reduction in the rate of interest to be paid to their depositors?

THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL): The changes effected by the branches of foreign banks operating in India in the rates of interest paid on deposits are in accordance with the directive of the Reserve Bank of India to the scheduled commercial banks on this subject which is also applicable to the branches of the foreign banks operating in India.

श्री शिव सम्पत्ति राम : इस बात की क्या गारंटी है कि विदेशी बैंक इस निदेश का पूरी तरह पालन करेंगे? इस बारे में सरकार क्या कार्यवाही करना चाहती है? गैर-अनुसूचित बैंकों पर रिजर्व बैंक के निदेश क्यों लागू नहीं होते? अगर ये नहीं लागू होंगे तो हमारे यहां का रुपया बाहर जाने का अन्देशा है। सरकार की इसके बारे में क्या राय है?

SHRI H. M. PATEL: Sir, there is no question about the foreign banks not carrying out the directives of the Reserve Bank in this matter. They are fully carrying them out.